



गिरानी कर रही है। एसपी सुरक्षा विजय शंकर मिश्र ने बताया कि राम मंदिर समेत धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए एनएसजी की एक यूनिट स्थायी रूप से तैनात कर दी गई है। यूनिट इस समय राम मंदिर में है और सुरक्षा व्यवस्थाओं को परख रही है। अयोध्या में एनएसजी का हब बनने के बाद उसकी त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का इस्तेमाल राम मंदिर के अलावा शहर के अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए भी किया जा सकेगा। रामनवमी में रोजाना करीब एक लाख श्रद्धालु आते हैं। पर्व और त्योहारों पर संख्या पांच से 10 गुना तक बढ़ जाती है। अयोध्या में बढ़ती श्रद्धालु संख्या और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों को देखते हुए एनएसजी की स्थायी मौजूदगी सुरक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव मानी जा रही है।

नई दिल्ली। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि एमएसईआर के मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त जगेश कुमार के इस्तीफे को मांग सरकार अनुचित है। उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए। पारदर्शी एवं विश्वसनीय चुनाव के लिए मतदाता सूची का समय-समय पर पुनरीक्षण आवश्यक है और निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। रामदास आठवले ने रविवार को कहा कि राहुल गांधी समेत विपक्षी दलों द्वारा किसी संवैधानिक संस्था को विश्वसनीय पर बिना उचित आधारों के सवाल उठाना उचित नहीं है, क्योंकि हमसे लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास पर असर पड़ सकता है।

संरक्ष भेजा। उस समय एमटी सीएल 9 परादपी से करीब 37 सप्ताही मील दूर था। जहाज परादपी के पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा में था। सूचना मिलते ही भारतीय तटरक्षक बल ने कारवाई शुरू की। तटरक्षक बल ने आईसीजीएस विश्वस्त को मौके पर भेजा। मुख्य परादपी बैलास्ट टैंक में पानी भरने से हुई पानी तेजी से अंदर जा रहा था। इससे जहाज का संतुलन बिगड़ गया। वह एक तरफ झुक गया। ऐसे में उसके तलटने का खतरा था। भारतीय तटरक्षक बल की विशेष टीम तुरंत जहाज पर पहुंची।

देश के नागरिकों की सेवा करना और अंत्योदय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना है, जबकि विपक्ष पर वंशवादी राजनीति और अपने निजी हितों के लिए सौदा हासिल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि जनता विपक्ष के दोहरे मापदंडों और नकारात्मक राजनीति को समझ चुकी है। इसके साथ ही जोर देकर कहा कि अस्थिरता पैदा करने की किसी भी कोशिश का जवाब जनता लोकतांत्रिक तरीके से देगी। नन्हुा का यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उस आरोप के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि सीईसी, भाजपा की विचारधारा को बढ़ावा दे रहे हैं।

जनविश्वास शिविर में ग्रामीणों ने उठाई देवरा पंचायत के निर्माण कार्यों की जांच की मांग

करोड़ों के विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल, ग्रामीण बोले- निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो उच्च स्तर पर करेंगे शिकायत

सिंगरौली। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत बीते शनिवार को जनपद पंचायत चितरंगी के ग्राम पंचायत देवरा में आयोजित जनसंवाद एवं समस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों ने पंचायत में कराए गए विभिन्न निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और सरकारी राशि के उपयोग को लेकर गंभीर सवाल उठाए। राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह, कलेक्टर गौरव बैनल सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीणों ने मांग रखी कि पंचायत में पिछले वर्षों में स्वीकृत और कराए गए निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच कराकर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए। ग्रामीणों का कहना था कि ग्राम पंचायत देवरा में प्रत्येक वर्ष विकास कार्यों के लिए बड़ी धनराशि स्वीकृत होती है। इसके बावजूद कई स्थानों पर अपेक्षित विकास कार्य दिखाई नहीं देते।

स्वीकृत राशि के अनुरूप काम नहीं हुआ है तो उसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। ग्रामीणों ने कहा कि पंचायत स्तर पर होने वाले निर्माण कार्य सीधे गांव के लोगों से जुड़े होते हैं, इसलिए इनमें पारदर्शिता और जवाबदेही बेहद जरूरी है।

दबाव में जांच प्रभावित न करने की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि जांच किसी स्थानीय दबाव या प्रभाव में नहीं होनी चाहिए। उनका कहना है कि यदि शिकायतों की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे मामले को शासन और उच्च प्रशासनिक स्तर तक ले जाएंगे। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की सूची, स्वीकृत राशि और व्यय का विवरण सार्वजनिक कराने की मांग भी की है, ताकि ग्रामीण स्वयं भी विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति देख सकें।

था कि प्रत्येक निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए और संबंधित विभाग के तकनीकी अधिकारियों से गुणवत्ता का परीक्षण कराया जाए। ग्रामीणों ने यह भी मांग रखी कि जिन कार्यों को पूर्ण बताया गया है, उनका मौके पर सत्यापन कराकर यह देखा जाए कि कार्य वास्तव में निर्धारित मापदंडों के अनुरूप हुआ है या नहीं। ग्रामीणों के मुताबिक विकास कार्यों में सरकारी धन का उपयोग पारदर्शी तरीके से होना जरूरी है। यदि किसी निर्माण में गुणवत्ता से समझौता हुआ है या



ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुछ निर्माण कार्यों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया गया है। वहीं कुछ कार्यों की उपयोगिता और वास्तविक प्रगति को लेकर भी सवाल हैं। ग्रामीणों ने कहा कि केवल कागजों में कार्य पूर्ण दिखाने के बजाय मौके पर जाकर निर्माण की स्थिति का भौतिक सत्यापन किया जाना चाहिए। शिविर में ग्रामीणों ने पंचायत में स्वीकृत योजनाओं, जारी राशि, निर्माण कार्यों की लागत और मौके पर हुए कार्यों का मिलान कराने की मांग की। उनका कहना

प्रशासन की अगली कार्यवाही पर नजर

जनविश्वास शिविर में राज्यमंत्री और कलेक्टर की मौजूदगी में उठी शिकायत के बाद अब ग्रामीणों की नजर जिला प्रशासन की कार्रवाई पर है। ग्रामीण चाहते हैं कि पंचायत में कराए गए प्रमुख निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण कराया जाए और आवश्यकता पड़ने पर तकनीकी टीम गठित कर गुणवत्ता की जांच कराई जाए। जांच में यदि कोई अनियमितता सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। हालांकि ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों की फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पंचायत प्रशासन अथवा संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आने और अभिलेखों तथा निर्माण कार्यों की तकनीकी जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

3 और 4 अक्टूबर को लगेंगे सेवा सेतु शिविर, शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर

100 दिन से अधिक लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों पर शिकायतकर्ताओं से संवाद कर प्राथमिकता से समाधान के निर्देश

सिंगरौली। कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सेवा सेतु सेवा संकल्प, जन विश्वास अभियान, सीएम हेल्पलाइन, शिक्षा, स्वास्थ्य, डीएमएफ सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए। कलेक्टर ने बताया कि 3 अक्टूबर को सभी विकासखंड मुख्यालयों और 4 अक्टूबर को नगर निगम के सभी जोन में सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में विभिन्न विभागों की सेवाओं के साथ स्वास्थ्य परीक्षण एवं अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध



रहेंगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिविरों की तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। सेवा संकल्प अभियान के तहत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम का शुभारंभ 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर स्वच्छता ही सेवा गतिविधियों के साथ किया जाएगा। वहीं डीएमएफ के तहत प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, पहुंच मार्गों और पुल-पुलिया के कार्यों के वर्क एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग की समीक्षा में विद्यार्थियों के शत-प्रतिशत नामांकन और अपार आईडी निर्माण, स्मार्ट क्लास, नीट-आईआईटी-जेईई कोचिंग तथा कोचिंग से बाहर विद्यार्थियों को काउंसलिंग पर जोर दिया गया। विस्थापित परिवारों के बच्चों का नीति के अनुसार विद्यालयों में प्रवेश सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की उपस्थिति की जांच के लिए औचक निरीक्षण कराने को कहा। अवैध उत्खनन पर प्रभावी कार्रवाई, बरगवां सिविल अस्पताल साइट पर एसओपी के अनुसार फ्लाई ऐश ड्रॉपिंग तथा राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम की मरम्मत के निर्देश भी दिए। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में 100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान देते हुए शिकायतकर्ताओं से संवाद कर प्राथमिकता से समाधान कराने को कहा गया। जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों का भी समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ईव्हीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का कलेक्टर ने किया त्रैमासिक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था परखी

सिंगरौली। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव बैनल ने सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित ईव्हीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईव्हीएम) और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा, रख-रखाव तथा भंडारण व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने निर्वाचन आयोग के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था तथा सीसीटीवी



कैमरों से हो रही निगरानी को देखा। उन्होंने अधिकारियों से सुरक्षा इंतजामों की जानकारी लेते हुए कहा कि ईव्हीएम-वीवीपैट जैसे महत्वपूर्ण निर्वाचन उपकरणों की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने वेयर हाउस परिसर में साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को भी

दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने ईव्हीएम-वीवीपैट के रख-रखाव से संबंधित अभिलेखों और रजिस्ट्रारों का अवलोकन कर उनकी अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अभिलेख निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार नियमित रूप से अपडेट किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन सामग्री के सुरक्षित भंडारण और निगरानी व्यवस्था में निर्धारित दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी पीएस त्रिपाठी, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि तथा निर्वाचन शाखा के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

डिजिटल इन्फ्लुएंसर सहेजेंगे जिले की सांस्कृतिक विरासत

सिंगरौली। मध्यप्रदेश की समृद्ध लोक एवं जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को डिजिटल माध्यम से संरक्षित करने तथा नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय द्वारा अभिनव पहल की जा रही है। इस पहल के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों के स्थानीय यूट्यूबर, वीडियो कंटेंट क्रिएटर एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को सांस्कृतिक दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। इसके लिए 01 अक्टूबर 2026 से नि:शुल्क पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ होगी। इच्छुक स्थानीय कंटेंट क्रिएटर्स संग्रहालय की वेबसाइट पर जाकर पंजीयन करा सकते हैं।

मेरा सपनों का भारत 2047' में दिखी विद्यार्थियों की कल्पना

राज्यमंत्री ने विजेता विद्यार्थियों को किया सम्मानित, मेधावी छात्र-छात्राओं को बांटी स्कूटी

सिंगरौली। सेवा संकल्प अभियान के तहत अटल सामुदायिक भवन बिलौजी में रविवार को 'मेरा सपनों का भारत 2047' थीम पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की राज्यमंत्री राधा सिंह रही। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विकसित, आत्मनिर्भर, स्वच्छ और शराश्रम भारत की परिकल्पना को रंगों के माध्यम से चित्रों में उकेरा। छात्र-छात्राओं ने आधुनिक तकनीक, नवाचार, स्वच्छ पर्यावरण, हरित विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, महिला

सर्शाफिकरण और आत्मनिर्भर समाज जैसे विषयों को अपनी कलाकृतियों में स्थान दिया। विद्यार्थियों की रचनात्मकता और कल्पनाशीलता ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का ध्यान आकर्षित किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को जिला स्तरीय पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राज्यमंत्री राधा सिंह ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही वर्ष 2047 के भारत के निर्माता होंगे। ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपने विचार और कल्पनाओं को अभिव्यक्त करने का अवसर देती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ नवाचार, अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रसेवा की भावना अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित



महिला थाना प्रभारी और डायल-112 की तत्परता से घायल को मिला समय पर उपचार

सिंगरौली। सड़क दुर्घटना में घायल पड़े व्यक्ति के लिए महिला थाना प्रभारी और डायल-112 की तत्परता जीवनरक्षक साबित हुई। पुलिस की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई के चलते घायल को गोलडन आवर में जिला अस्पताल बैदुन पहुंचाकर उपचार शुरू कराया गया। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक धियाज के.एम. के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान एक मार्ग पर सड़क दुर्घटना में एक



व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा मिला। वहां से गुजर रही महिला थाना प्रभारी आराधना सिंह की नजर घायल पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल मदद की पहल की। दुर्घटना की सूचना मिलते ही बैदुन डायल-112 में तैनात प्रधान आरक्षक रामकृष्ण बागरी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने बिना

समय गंवाए घायल को सुरक्षित वाहन तक पहुंचाया और तत्काल जिला अस्पताल बैदुन रवाना किया। समय पर अस्पताल पहुंचने से घायल को गोलडन आवर में उपचार मिल सका। पुलिस ने बताया कि वर्तमान में हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात नियमों का पालन को लेकर 10 दिवसीय

विशेष अभियान चल रहा है। नागरिकों से सुरक्षित गति रखने और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की गई है। पुलिस ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन की राह-वीर योजना के तहत गंभीर सड़क दुर्घटना में घायल को तत्काल सहायता देकर गोलडन आवर में अस्पताल पहुंचाने वाले पात्र राह-वीर को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दिए जाने का प्रावधान है। पुलिस ने दुर्घटना की स्थिति में डायल-112 को सूचना देकर घायल की मदद करने की अपील की है।

एमएसएमई योजनाओं की जानकारी एवं उद्यमियों के मार्गदर्शन के लिए 29 एवं 30 सितंबर को कार्यशाला और उद्यम संवाद

सिंगरौली। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग की योजनाओं, नीतियों एवं सुविधाओं की जानकारी अधिक से अधिक उद्यमियों एवं स्वरोजगार के इच्छुक नागरिकों तक पहुंचाने तथा उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सिंगरौली द्वारा दो दिवसीय जागरूकता शिविर, कार्यशाला एवं उद्यम संवाद का आयोजन किया जा रहा है। यह दो दिवसीय कार्यक्रम 29 एवं 30 सितम्बर 2026 को जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सिंगरौली के प्रथम तल स्थित कार्यालय भवन में दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा।

सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा का द्वितीय चरण 7 अक्टूबर से भोपाल में

सिंगरौली। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा आयोजित सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा-2026 के लिखित परीक्षा परिणाम के उपरांत द्वितीय चरण की प्रक्रिया 7 अक्टूबर से 18 अक्टूबर 2026 तक भोपाल में आयोजित की जाएगी। द्वितीय चरण में लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का शारीरिक नापजोख, प्रवीणता परीक्षण एवं दस्तावेज सत्यापन किया जाएगा। जेल अधीक्षक एल.के. त्रिपाठी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार

द्वितीय चरण की प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मध्य प्रदेश शूटिंग अकादमी के सामने, नाथू बरखेड़ा रोड, नीलबड़, भोपाल में संपन्न होगी। लिखित परीक्षा 4 जून से 20 जून 2026 तक आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 14 अगस्त 2026 को घोषित किया गया। भर्ती प्रक्रिया के प्रथम चरण में सहायक जेल अधीक्षक के 25 पदों के लिए 256 अभ्यर्थी तथा जेल प्रहरी के 757 पदों के लिए 8,217 अभ्यर्थी पात्र पाए गए हैं। इन सफल अभ्यर्थियों को द्वितीय चरण की

प्रक्रिया में शामिल होना है। जेल अधीक्षक एल.के. त्रिपाठी ने बताया कि द्वितीय चरण की प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं आवश्यक प्रपत्र मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल की आधिकारिक वेबसाइट तथा जेल विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सभी सफल अभ्यर्थी वेबसाइट से संबंधित प्रपत्र डाउनलोड कर निर्धारित तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों एवं जानकारी के साथ आयोजन स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

घर से लापता आठ वर्षीय बालक को 24 घंटे में पुलिस ने खोज निकाला

लंघाडोल पुलिस की तत्परता से सकुशल दस्तयाबी, परिजनों ने पुलिस टीम का जताया आभार

सिंगरौली। लंघाडोल थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घर से लापता हुए आठ वर्षीय बालक को 24 घंटे के भीतर सकुशल खोजकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस की संवेदनशीलता और सक्रियता से परिवार को बड़ी राहत मिली। पुलिस के अनुसार ग्राम डोंगरी निवासी शुक्पाल सिंह ने 26 सितंबर को थाने पहुंचकर सूचना दी कि उनका आठ वर्षीय पुत्र जगन्नाथ सिंह 23 सितंबर की सुबह करीब सात बजे घर से स्कूल जाने के लिए निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर उसकी

सुखबिबर तंत्र और संभावित मार्गों के आधार पर तलाश शुरू कराई। पुलिस की लगातार सक्रियता और त्वरित सूझबूझ के परिणामस्वरूप 27 सितंबर को बालक जगन्नाथ सिंह को सकुशल दस्तयाब कर लिया गया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई और कथन के बाद बालक को उसके पिता शुक्पाल सिंह के सुपुर्द किया गया। बालक को सुरक्षित पाकर परिजनों ने सिंगरौली पुलिस और लंघाडोल थाना टीम का आभार जताया। कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक नंद कुमार सिंह, आरक्षक संपत सिंह और आरक्षक महेंद्र चौरीसिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।



काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 148/2026, धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी उप निरीक्षक पुष्पेंद्र धुवे ने पुलिस टीम गठित कर तकनीकी साक्ष्यों,

सुखबिबर तंत्र और संभावित मार्गों के आधार पर तलाश शुरू कराई। पुलिस की लगातार सक्रियता और त्वरित सूझबूझ के परिणामस्वरूप 27 सितंबर को बालक जगन्नाथ सिंह को सकुशल दस्तयाब कर लिया गया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई और कथन के बाद बालक को उसके पिता शुक्पाल सिंह के सुपुर्द किया गया। बालक को सुरक्षित पाकर परिजनों ने सिंगरौली पुलिस और लंघाडोल थाना टीम का आभार जताया। कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक नंद कुमार सिंह, आरक्षक संपत सिंह और आरक्षक महेंद्र चौरीसिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विकसित भारत बनाने के लिए विद्यार्थियों की भूमिका अहम : विश्वामित्र

सेवा संकल्प अभियान के तहत शा. महाविद्यालय देवसर में कार्यक्रम आयोजित

सिंगरौली। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय देवसर में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन विश्वामित्र पाठक विधायक विधानसभा क्षेत्र सिहावल के मुख्य आतिथ्य में किया गया। प्रतियोगिता शा. महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने विकसित भारत 2047, मेरे सपनों का भारत जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चित्रकला के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा तथा भाषण के माध्यम से अपने विचार और अभिव्यक्ति कोशल प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी अपनी कल्पनाशक्ति, विचारों और भावनाओं को अभिव्यक्त करने का मंच प्रदान करती हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल प्रथम, द्वितीय या तृतीय स्थान प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा को पहचानना और उसे लगातार बेहतर बनाना है। प्रत्येक विद्यार्थी को परिणाम की चिंता किए बिना पूरे उत्साह के साथ ऐसे आयोजनों में भाग लेना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे पढ़ाई के साथ अपनी रुचि के क्षेत्र में भी निरंतर प्रयास करें और अपने माता-पिता एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का लाभ उठाएं। मुख्य अतिथि विश्वामित्र पाठक ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की और कहा कि आवश्यकता केवल उन्हें अवसर, संसाधन और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की है। उन्होंने प्राध्यापकों और अभिभावकों से भी विद्यार्थियों की रुचि एवं प्रतिभा को समझते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान

किया। मुख्य अतिथि ने प्राचार्य द्वारा महाविद्यालय में स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारम्भ कराने, खेल मैदान, बाउंड्रीवाल, सायकल स्टैंड की मांग पर सभी मांगों को पूरा कराने का आश्वासन दिया। विधायक सिहावल द्वारा सेवा सेतु कार्यक्रम अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर जमुना प्रसाद नामदेव प्राचार्य, रमापति शाह, मण्डल अध्यक्ष, संतराम बैस वरिष्ठ अधिवक्ता, ठाकुर प्रसाद द्विवेदी, राजेश चंद्र मिश्रा टी. आई., शशिकांत तिवारी एपीओ, राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी बीपीओ, सीरव द्विवेदी, महादेव साकेत, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, अधिभावक गण, छात्र-छात्राएं, गणमान्य जन उपस्थित रहे।



का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव जनता के बीच जाकर सेवा, कार्य और नीतियों के आधार पर जीते जाते हैं। संस्थाओं पर बिना पर्याप्त तथ्यों के आरोप लगाकर जनता में अविश्वास पैदा करना लोकतंत्र के हित में नहीं है। नेताओं ने कहा कि सरकार की आलोचना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं की अवस्थानियता को कमजोर करने का प्रयास स्वीकार्य नहीं हो सकता।

पत्रकार वार्ता में जिला उपाध्यक्ष मनीला सिंह, अनिल भाण्डेय, शिवदान साकेत, डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी एवं डॉ. विक्रम सिंह प्रेमरोद द्विवेदी सहित भाजपा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

कुदरत का कहर या प्रशासनिक नाकामी?

बारिश से बिहार के 14 जिलों में 40 लाख लोग बाढ़ से बेघर हो गए हैं। बिहार में सितंबर माह ने बारिश का रिकार्ड तोड़ दिया। 27 सितंबर को नेपाल के तराई क्षेत्र में हो रही बारिश के चलते गंडक और कोसी नदियां उफान पर हैं। इससे 17 जिलों के करीब 6 हजार गांव टापू बन गए हैं, जबकि करीब 500 घर बाढ़ के पानी से ढिरे हुए हैं। सुपौल के 50 गांवों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है।हर साल आने वाली इस त्रासदी के बावजूद गाद सफाई और मजबूत तटबंध जैसे स्थायी जल प्रबंधन उपायों की कमी साफ दिखती है। बिहार हर वर्ष बाढ़ की विभीषिका का सामना करता है। इसका मतलब यह होता है कि इसकी प्रकृति को समझ कर इससे बचाव के इंतजाम किए जा सकते हैं। मगर इतने वर्षों से अमूमन हर वर्ष बाढ़ की तबाही के बावजूद राज्य को इस प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए कभी ठोस उपाय नहीं किए गए। इस बार भी नदियां उफान पर हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश और नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में भारी वर्षा की वजह से राज्य के चौदह जिलों में स्थिति गंभीर हो गई है। चालीस लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। गौरतलब है कि हर साल नेपाल से आने वाली नदियां तबाही लेकर आती हैं। बावजूद इसके राज्य सरकार इन नदियों के पानी को संभालने और आम लोगों को राहत के लिए कोई ठोस तंत्र विकसित नहीं कर पाई है। हर वर्ष बाढ़ राहत कार्यों पर ध्यान केंद्रित करती, तो इस समस्या को सुलझाने की दिशा में काफी आगे बढ़ा जा सकता था।नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाए गए तटबंध आज नुकसान साबित हो रहे हैं, तो इस समस्या की जड़ में जाने की जरूरत है। यह निराशाजनक ही है कि हर साल बाढ़ राहत के नाम पर रस्मी कवायद कर अगले वर्ष फिर बाढ़ की प्रतीक्षा की जाती है। एक बड़ी चुनौती यह है कि हिमालयी नदियां हर बार अपने साथ भारी मात्रा में गाद लेकर आती हैं, जो राज्य की नदियों में जमा होती जाती है। नतीजा यह कि उथली हो रही नदियों का पानी रिहड़शी इलाकों को अपनी चपेट में ले लेता है। सुरासन का दावा करने वाली सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से लिया होता, तो राज्य में जल प्रबंधन की नई तस्वीर बन सकती थी। यह बेवजह नहीं है कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार को इस आपदा से सबसे अधिक नुकसान होता है।

(के. विश्वदेव राव)

लोकतंत्र केवल संविधान के पृष्ठों पर उकेरी गई पंक्तियों का नाम नहीं है। यह संस्थाओं के भीतर बहने वाली जीवंत सांसों और उनके प्रति जन-सामान्य के अटूट विश्वास का सजीव ताना-बाना है। बीते कुछ हफ्तों में निर्वाचन आयोग को लेकर जो शोर मचा है, वह इसी भरोसे पर चोट पहुंचाने का प्रयास है। एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से यह खबर आई कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू व विवेक जोशी के बीच पिछले दस महीनों में चौदह बार दर्ज हुई आपत्तियां किसी गहरे संस्थागत संकट का संकेत हैं। इसके बाद आयोग का जवाब आया।

आयोग ने स्वयं आगे आकर बेहद स्पष्टता से कहा कि यह एक आंतरिक चर्चा और मतभेद के बाद लिए गए अंतिम निर्णय थे, इन्हें आपस में जोड़कर देखना गलत है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े सभी बड़े आदेश सर्वसम्मति से पारित हुए, फॉर्म-6 में कोई मौलिक बदलाव नहीं हुआ, बल्कि उसके साथ केवल एक अतिरिक्त घोषणा-पत्र जोड़ा गया था। कैबिनेट सचिव से हुआ पत्राचार नीति या आईटी का मसला नहीं, बल्कि एक अधिकारी की प्रतिनियुक्ति जैसा सामान्य प्रशासनिक विषय था। ईसीआई नेट क्षेत्रीय अधिकारियों की भूमिका-आधारित शक्तियां पूरी तरह बरकरार रखता है, और 2025 से अब तक करीब पाने तीन करोड़ नए युवा मतदाता जोड़े जा चुके हैं। इतना ही नहीं, आंतरिक असहमति की चर्चाओं के बीच भी तीनों आयुक्त बीते महीनों की हर प्रमुख चुनावी ब्रीफिंग में साथ-साथ मंच पर मौजूद रहे। अब यह किसी बिखरती संस्था की तस्वीर तो नहीं लगती। यह तो विचार-विमर्श और अंतर्विरोध के बाद भी एकजुट रहने वाली एक परिपक्व संस्था का प्रमाण प्रस्तुत करती है।

हम सबको एक कड़वा सच स्वीकार करना होगा, जिसे विपक्ष अक्सर भुला देता है। आज़ादी के बाद से चुनाव आयोग को अपने हिसाब से ढालने की सबसे पुरानी और सुनियोजित कोशिशें कांग्रेस के शासनकाल में ही हुईं। 1989 में राजीव गांधी सरकार ने तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त आरवीएस पेरै शास्त्री को चुनाव की तारीखों और उपचुनावों पर मनचाहे फैसले न देने की सजा के तौर पर आयोग को अचानक तीन-सदस्यीय बना दिया था। नर्वनियुक्त आयुक्तों में से एक एसएस धनोआ ने बाद में खुद लिखा कि इसके बदले उन्हें सरकार में पद का आश्वासन दिया गया था। कांग्रेस वह चुनाव हार गई और 1990 में आई

कुछ वर्षों बाद, जब टीएन शेषन के नेतृत्व में चुनाव आयोग ने अपने संवैधानिक अधिकारों का पूरी मुस्तैदी से इस्तेमाल शुरू किया, तो उसका सामना नरसिंह राव सरकार के राजनीतिक हितों से हो गया। 1 अक्टूबर 1993 को कांग्रेस सरकार ने राष्ट्रपति के अध्यादेश के ज़रिए आयोग को फिर से तीन-सदस्यीय बना दिया। शेषन इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले गए। 1995 में अदालत ने तीनों सदस्यों को बराबर अधिकार तो दे दिए, लेकिन इसके पीछे की मूल राजनीतिक मंशा इतिहास में दर्ज हो चुकी थी। 2009 में तो हद ही हो गई, जब तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एन गोपालस्वामी ने राष्ट्रपति को 93 पत्रों की रिपोर्ट भेजकर चुनाव आयुक्त नवीन चावला को कांग्रेस के प्रति पक्षपाती बताते हुए हटाने की सिफारिश की। इसमें बैठकों के दौरान गोपनीय जानकारी लीक करने तक के गंभीर आरोप थे।



वीपी सिंह सरकार ने आयोग को फिर से एकल-सदस्यीय कर दिया।

कुछ वर्षों बाद, जब टीएन शेषन के नेतृत्व में चुनाव आयोग ने अपने संवैधानिक अधिकारों का पूरी मुस्तैदी से इस्तेमाल शुरू किया, तो उसका सामना नरसिंह राव सरकार के राजनीतिक हितों से हो गया। 1 अक्टूबर 1993 को कांग्रेस सरकार ने राष्ट्रपति के अध्यादेश के ज़रिए आयोग को फिर से तीन-सदस्यीय बना दिया। शेषन इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले गए। 1995 में अदालत ने तीनों सदस्यों को बराबर अधिकार तो दे दिए, लेकिन इसके पीछे की मूल राजनीतिक मंशा इतिहास में दर्ज हो चुकी थी। 2009 में तो हद ही हो गई, जब तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एन गोपालस्वामी ने राष्ट्रपति को 93 पत्रों की रिपोर्ट भेजकर चुनाव आयुक्त नवीन चावला को कांग्रेस के प्रति पक्षपाती बताते हुए हटाने की सिफारिश की। इसमें बैठकों के दौरान गोपनीय जानकारी लीक करने तक के गंभीर आरोप थे। हालांकि, कांग्रेस-यूपीए सरकार ने इस सिफारिश को मानने के बजाय वरिष्ठता के आधार पर उन्हीं नवीन चावला को अगला मुख्य चुनाव आयुक्त बना दिया।

स्वतंत्र भारत के इतिहास की सबसे बड़ी घटना 1975 का आपातकाल थी। आपातकाल के दौरान संस्थाओं की गरिमा को तार-तार कर दिया गया था। उस दौर में जब भी चुनाव आयोग सरकार के लिए असुविधाजनक हुआ, कांग्रेस ने अध्यादेशों और अनैपचारिक दबावों का सहारा लिया। आज जब सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयों पर भी आंतरिक सवाल उठते हैं, तो यह किसी षड्यंत्र का नहीं, बल्कि एक जीवंत और लोकतांत्रिक संस्था के भीतर सामान्य निर्णय-प्रक्रिया का प्रमाण दिखता है। इसे सुलझाने में आयोग ने पारदर्शिता दिखाई है, कोई पर्दादारी या लुकाछिपी नहीं की। प्रचारित रिपोर्टों के अनुसार चुनाव आयुक्त संधू और जोशी ने निर्णय-प्रक्रिया, मतदाता-सूची के डेटाबेस तक पहुंच और पश्चिम बंगाल में दायर कुछ अपीलों को लेकर सवाल उठाए थे, लेकिन आयोग ने इन सभी बिंदुओं पर एक-एक कर तथ्यों के साथ जवाब दिया।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में करोड़ों मतदाताओं के नाम सत्यापन के दायरे में आए, और देशभर में विपक्ष करीब तेरह करोड़ नाम हटाए जाने का दावा कर रहा है। यहां मूल तथ्य को समझना जरूरी है। फर्जी मतदाताओं,

मृत व्यक्तियों और डुलीकेट प्रविष्टियों को हटाना किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियादी ज़रूरत है, और सुप्रीम कोर्ट पहले ही एसआईआर की प्रक्रिया को संवैधानिक रूप से वैध ठहरा चुका है। इस प्रक्रिया की आंच सत्ता-शिखर और आलोचकों तक समान रूप से पहुंची, जो इसकी निष्पक्षता का सबसे बड़ा प्रमाण है। लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, सीबीआई निदेशक और स्वयं चुनाव आयुक्त संधू तक के नामों का सत्यापन करना पड़ा। इससे यही स्पष्ट होता है कि व्यवस्था को 'एकतरफा' या 'कठपुतली' ठहराना सरासर राजनीतिक दुष्प्रचार है।

विपक्ष के लिए आयोग की आंतरिक बहस एक मनभावन बहाना बनकर आई। ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे से लेकर पूरी कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त को 'कठपुतली' घोषित करने में देर नहीं लगाई। यहां पंचतंत्र की उस लोमड़ी की याद आती है, जो अंगूर न पाने पर उन्हें खट्टा करार देती थी। विपक्ष अपनी संगठनात्मक विफलताओं का दोष लगातार संस्थाओं पर मढ़ने की पुरानी परंपरा निभा रहा है। इन सबसे एक ही बात समझ आती है कि यह आरोपों की भाषा है, सबूतों की नहीं।

यह अक्रान्त नहीं है कि दुनिया आज भारत के चुनाव आयोग को सम्मान और गंभीरता से देखती है। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पारित 'मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति) अधिनियम, 2023' ने वर्षों से अस्पष्ट रही नियुक्ति-प्रक्रिया को पहली बार एक स्पष्ट कानूनी ढांचे में बांधा। इसी नए तंत्र के तहत बनी चयन समिति की बैठक प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें नेता प्रतिपक्ष भी शामिल थे। इसका परिणाम सबके सामने है- नए मतदाताओं के जुड़ने और मतदान के पुराने रिकॉर्ड टूटने के बीच, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन सहायता संस्थान के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। यह किसी 'हार्डजैक' हुई संस्था का नहीं, बल्कि भारत के चुनाव तंत्र पर बढ़ते वैश्विक भरोसे का प्रमाण है।

राजनीतिक क्षेत्र में दूर की कोड़ी है लैंगिक समानता

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

विश्व आर्थिक मंच या यों कहें कि वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की स्थापना 1971 में हुई और 2006 से डब्ल्यूएफ ने दुनिया के देशों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जेंडर लैंगिक गैप का सालाना सर्वे करना शुरू किया। 145 देशों में कराये गये हालिया सर्वे की रिपोर्ट में भारत की रैंक 131 वीं है। विश्व आर्थिक मंच डब्ल्यूएफ द्वारा इसी 16 सितंबर, 2026 को जारी 20 वीं ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप रिपोर्ट 2026 से एक बात तो साफ हो गई है कि राजनीति में अभी तो सत्ता में महिलाओं की पुरुषों के समान भागीदार दूर की कोड़ी हो है। जेंडर गैप की हालिया रिपोर्ट में सबसे रैचक और चिंताजनक जानकारी यह सामने आई है कि संसद में भले ही महिलाओं की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत हो गई हो पर मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी केवल 5.9 प्रतिशत रह गई है। सबसे मजे की बात यह है कि 2019 की तुलना में मंत्रिमंडल में महिलाओं की उच्चतम स्तर 30 प्रतिशत की भागीदारी की तुलना में बहुत कम हो गई है। यह सब तो तब है जब केन्द्र सरकार 2023 में महिला आरक्षण बिल लेकर आई है। हालांकि यह भी अभी तो राजनीति की भेंट ही चढ़ा हुआ है। यह इसलिए भी एलर्मिंग हो जाती है कि लैंगिक समानता की बात दुनिया के देशों द्वारा विभिन्न मंचों पर बह-सुद कर कितनी भी की जाएं परिणाम अभी तक फिक्र के कारणतामक प्राप्त नहीं हुए हैं। आइसलैंड, फिनलैंड, नार्वे आदि अवस्थ्य लैंगिक गैप को कम करने में कुछ हद तक सफल रहे हैं। निराश होने की बात इसलिए नहीं है कि शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे



क्षेत्रों में लैंगिक गैप में लगातार सुधार देखा जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी में सुधार देखा जा रहा है।

विश्व आर्थिक मंच या यों कहें कि वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की स्थापना 1971 में हुई और 2006 से डब्ल्यूएफ ने दुनिया के देशों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जेंडर लैंगिक गैप का सालाना सर्वे करना शुरू किया। 145 देशों में कराये गये हालिया सर्वे की रिपोर्ट में भारत की रैंक 131 वीं है। हालांकि बीस सालों में रैंक में सुधार हुआ है। संस्था द्वारा जेंडर लैंगिक स्थिति का अध्ययन के लिए चार मानक बनाए हुए हैं। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य और सरवाइवल, आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं भागीदारी और राजनीति सर्शाक्तिरण चार ऐसे क्षेत्र है जिनके माध्यम से दुनिया के देशों में महिलाओं की

वैश्विक स्थिति का अध्ययन किया जाता है। जहां तक भारत की बात है देखा जाए तो जेंडर लैंगिक गैप की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल के क्षेत्र में भारत में स्थिति बेहतर है। शिक्षा के क्षेत्र में यह 96.6 प्रतिशत और स्वास्थ्य और उत्तरजीविता में 95.6 प्रतिशत का आंकड़ा है। इसे निश्चित रूप से सकारात्मक माना जाता है। इसका साफ साफ अर्थ यह हो जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल क्षेत्र में लैंगिक गैप में सकारात्मकता है और महिलाओं और पुरुषों के बीच अंतर को लगभग पाट सा दिया है। जहां तक महिलाओं की आर्थिक क्षेत्र में भागीदारी की बात है तो इसमें समग्र रूप से 41.2 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। यानी अभी भी लैंगिक गैप का अंतर 50 फीसदी से भी अधिक बना हुआ है। हालांकि आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में लगातार

सुधार देखा जा रहा है। कुल कामकाजी महिलाओं की हिस्सेदारी 39.9 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 42 फीसदी हो गई है। आर्थिक मोर्चे पर लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है पर जिस तेजी से बढोतरी होनी चाहिए थी या जिस तरह से लैंगिक गैप कम होना चाहिए था वह अभी नहीं हो पाया है।

तस्वीर का सबसे निराशाजनक पहलू राजनीतिक भागीदारी को लेकर है। खासतौर से मंत्रिमण्डल में तो महिलाओं की हिस्सेदारी में बहुत अधिक कमी देखने को मिल रही है। यह सब तो तब है जब सरकार राजनीति में महिला आरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने की पक्षधर है। एक बात जो सबसे महत्वपूर्ण है वह यह कि पिछले कुछ सालों के चुनावों पर नजर डाली जाएं चाहे वे विधानसभाओं के हो या लोकसभा के सभी में मतदान से लेकर सरकार बनवाने में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। कम से कम आंकड़े तो यही कह रहे हैं। हालांकि फ्री बीज जैसी लुभावनी योजनाओं में महिलाओं को अपने पक्ष में करने के वादे सभी राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में देखने को मिल जाएगा।

संतोष की बात यह है कि 145 देशों की समग्र ग्लोबल जेंडर गैप 2026 का जेंडर गैप पेरिटी स्कोर 69.2 प्रतिशत है जबकि भारत की 131 वीं रैंक होने के बावजूद इस रिपोर्ट में भारत का ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप पेरिटी स्कोर 64.5 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट के समग्र अध्ययन से यह साफ हो जाता है कि भारत के सामने सबसे अधिक चुनौती राजनीतिक स्तर पर गैप को कम करना है तो आर्थिक मोर्चे पर भी अभी बहुत कुछ किया जाना जरूरी हो गया है।

कोहली सबसे तेज 15 हजार वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज,सिक्स से वनडे में 55वां शतक भी तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी तोड़ा

(दीपेश शर्मा)

विराट कोहली वनडे में सबसे तेज 15 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 303 पारियों में यह कारनामा किया। कोहली ने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 2007 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 377 पारियों में 15 हजार 80 रन पूरे किए थे। वहीं ,कोहली ने सिक्स से वनडे में 55वां शतक लगाया। विराट कोहली ने अपने 315वें वनडे मैच में 59वां शतक बनाते ही इतिहास रच दिया और वनडे क्रिकेट में 15 हजार 80 रन पूरे करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए।

भारतीय क्रिकेट के किंग विराट कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे पहले वनडे मुकाबले में एक और नया इतिहास रच दिया है। विराट ने अपनी शानदार बल्लेबाजी के दौरान जैसे ही व्यक्तिगत स्कोर 59 रन पर पहुंचाया उन्होंने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 15000 रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह वनडे इतिहास में इस महान मुकाम तक पहुंचने वाले भारत के दूसरे और दुनिया के भी महज दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं कोहली इस रिकॉर्ड को तोड़ने वाले सबसे तेज बल्लेबाज भी हैं।

315 मैच में 15000 रन पूरे
विराट कोहली ने अपने 315वें वनडे मैच (303 पारियों) में यह अद्भुत कारनामा कर दिखाया है। 15000 वनडे रनों के आंकड़े तक सबसे तेजी से

पहुंचने के मामले में विराट ने दुनिया के तमाम दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। इस मुकाम पर पहुंचते ही उन्होंने साबित कर दिया है कि आधुनिक दौर के सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी निरन्तरता और रन बनाने की भूख का कोई सानी नहीं है।

सिर्फ सचिन तेंदुलकर से पीछे
वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो विराट कोहली अब केवल क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर से ही पीछे हैं।
वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन
सचिन तेंदुलकर (भारत) 463 मैच, 452 पारियां, 18426 रन (उच्चतम स्कोर 200*)
विराट कोहली (भारत) 315 मैच, 303 पारियां, 15000+ रन (उच्चतम स्कोर 183)
कुमार संगकारा (श्रीलंका) 404 मैच, 380 पारियां, 14234 रन (उच्चतम स्कोर 169)
रिकी पॉटिंग (ऑस्ट्रेलिया) 375 मैच, 365 पारियां, 13704 रन (उच्चतम स्कोर 164)
सनथ जयसूर्या (श्रीलंका) 445 मैच, 433 पारियां, 13430 रन (उच्चतम स्कोर 189)
2008 में किया था डेब्यू
साल 2008 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाले विराट कोहली ने साल 2026 में आकर इस ऐतिहासिक रिकॉर्ड को छुआ है।

आज का राशिफल



मेष

आज जीवनसाथी से संवाद बढ़ेगा। जीवनसाथी व व्यापारिक साझेदार से जुड़ी बातचीत में आज स्पष्टता और मिठास बढ़ेगी। चंद्रदेव और शनिदेव की युति व्यथ भाव में और निकट आ रही है। इसलिए आज मानसिक भारीपन महसूस हो सकता है।



मिथुन

आज वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। आपके संतान व रचनात्मकता भाव में प्रवेश कर चुके हैं, इसलिए रचनात्मक कार्यों, शिक्षा व प्रेम से जुड़े मामलों में आज विशेष शुभता रहेगी। कार्यक्षेत्र में गंभीरता और धैर्य आवश्यक रहेगा। करियर से जुड़े बड़े निर्णय फिलहाल के लिए टाल दें।



सिंह

आज आय के मजबूत स्रोत बनेंगे। वित्तीय मामलों में सीधी और स्पष्ट सोच रहेगी। आज गुप्त मामलों व दस्तावेजों में सतर्कता रखें। गहरी भावनाओं को लेकर मानसिक भारीपन महसूस हो सकता है। रिश्तों में साहस के साथ पहल करने का दिन रहेगा।



वृष

आज दिनचर्या और कार्यक्षेत्र के लिए विशेष शुभ दिन है। स्वास्थ्य के लिए दिन शुभ रहेगा। हालांकि, त्वचा संबंधी परेशानी और किडनी से जुड़ी किसी बीमारी को नजरअंदाज न करें। आय संबंधी मामलों में आज धैर्य आवश्यक रहेगा। तुरंत परिणाम की अपेक्षा न करें। भाई-बहन के साथ रिश्ते में गहमा-गहमी हो सकती है।



कर्क

आज पारिवारिक रिश्तों में बढ़ेगी मिठास। पारिवारिक रिश्तों में आज मिठास और संवाद बढ़ेगा। भाग्य का साथ पूरी तरह से नहीं मिलने से दबाव महसूस करेंगे। लंबी यात्रा से जुड़े मामलों में सतर्कता और धैर्य जरूरी होगा। व्यक्तित्व में साहस और ज्ञान का संयोग जारी रहेगा।



कन्या

आज पारिवारिक मामलों में रहेगी मिठास। आपके व्यक्तित्व में मजबूती दिखेगी। वाणी और धन के मामलों में आज लाभ के संकेत हैं। पारिवारिक मामलों में मिठास दिखेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन विशेष शुभ रहेगा। जीवनसाथी के साथ विवाद को टाल दें, धैर्य से संवाद करें।



तुला

आज व्यक्तित्व, बुद्धि और आकर्षण का दुर्लभ संयोग बन रहा है। प्रेम जीवन के लिए दिन विशेष रूप से शुभ रहेगा। दिनचर्या व पाचन संबंधी मामलों में आज सतर्कता रखें। अनुशासन और आराम दोनों जरूरी रहेंगे। दीर्घकालिक योजना बनाकर काम करने से मिलेगा लाभ। मां लक्ष्मी की पूजा करें और उन्हें लाल फूल चढ़ाएं।



धनु

आज आय के नए अवसर बनेंगे, घर के मामलों में धैर्य रखें। गुप्त ज्ञान, शोध, बीमा, फाइनेंस के मामलों में अच्छी सोच के साथ काम करेंगे। बुधदेव शुक्रदेव के साथ आपके लाभ भाव में प्रवेश कर चुके हैं, इसलिए आय और सामाजिक दायरे से जुड़े मामलों में आज विशेष शुभता रहेगी। नए मौके बन सकते हैं।



कुंभ

आज धन से जुड़े फैसलों में जल्दबाजी न करें। आज आपका आकर्षण चरम पर रहेगा। अपनी महत्वाकांक्षा को पूरी करने के लिए आप शिदत से काम करेंगे। फिर भी योजना बनाकर आगे बढ़ें। वित्तीय मामलों में आज गंभीरता व धैर्य जरूरी रहेगा।



मकर

आज प्रेम जीवन में भावनात्मक गंभीरता रहेगी। उच्च शिक्षा से जुड़े मामलों में आगे बढ़ने के मौके बन सकते हैं। भाग्य का साथ मिलने से रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। कफ संबंधित परेशानी से राहत मिलेगी।



मकर

आज कार्यक्षेत्र में सफलता का विशेष शुभ दिन है। आज गंभीरता से काम लेने की जरूरत रहेगी, धैर्य रखें। कार्यक्षेत्र में आज संवाद व आकर्षण का विशेष लाभ मिलेगा। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिल सकती है। पिता का सहयोग और मदद मिलेगी। जीवनसाथी भाव में आय के मौके संभव हैं।



मीन

आज व्यापारिक साझेदारी से लाभ मिलेगा। व्यक्तित्व में गहरी भावनात्मक गंभीरता और आत्म-अनुशासन का दिन रहेगा। निर्णयों में देरी या भावनात्मक भारीपन से बचें। साझेदारी भाव में सूर्यदेव आज अकेले विराजमान रहेंगे, इसलिए जीवनसाथी व साझेदारी में आज सीधी व स्पष्ट सोच रहेगी।

वर्ग पहेली 6227				
1	2	3	4	5
6			7	
		8		9
11	12		13	
		14		15
16		17		18
		19	20	
21			22	

- संकेत: बाएं से दाएं
- 1919 की बॉलीवुड की पुरानी फिल्मों के संगीतकार (निधन 6 जनवरी 1987) ने जन्म लिया था, सुप्रसिद्ध कृति गीत गोविंद के रचयिता (4)
 - मिथिलीश्वर गुप्त की सुप्रसिद्ध कृति, अयोध्या नगरी को यह भी कहते है (3)
 - मूल तथ्य, चर्चा, वार्तापत्र (2)
 - दुर्गादासपुर्वक 'कहीं गाँव बात', नालिरा, मुकदमा, अभिव्यंग (2)
 - जॉलिन, अल्बार्न, रॉबर्ट (3)
 - यह भारत का प्रथम सप्ताट था जिसने मुगल सत्तापन्य स्थापित किया (3)
 - समगावड़ की यह भी कहते है (3)
 - संगीत में ऋषभ स्वर सूचक शब्द (1)
 - जिसकी कोई सीमा न हो, अंतहीन, छोरहीन (3)
 - भारत के हरियाण राज्य का एक नगर जो यमुना नदी के समीप स्थित है (4)
 - स्कंध, जुलवाही की राख या कुंजी (2)
 - मंथानि से प्रथम करना, मंद गमन करना, विचरना (4)
 - कसम, समी, हलफ, सोंह (3)
 - ऊपर से नीचे
 - माता दुर्गा के नामों में से एक, शारदा (4)
 - दो की संख्या, निगह (2)
 - देवी, कर्कदार, अक्रान्त (4)
 - यह अमिताभ बच्चन अभिनीत पहेली फिल्म थी (6)
 - सौभद्रा से, उत्साहपूर्ण (3)
 - महाराष्ट्र, श्रीमन, मोदीव (2)
 - पुण्य दिवस, यात्रिकों (3)
 - मृत, प्रेम आदि के स्वामी होने के कारण भगवान शिव का एक नाम (4)
 - अव्यक्तिका, अस्मंश, अक्रममा (3)
 - एक डंडे के सिरे पर काण्ड लपेटकर उसे जलाने से उत्पन्न रेशमी (3)
 - विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)

वर्ग पहेली 6226 का हल									
र	मि	लं	क	र	तु	मल			
ज	ल	ख	ग		मा	कं			
त	व		र	का	र		सा		
घ		तु		म		गं	ध		
ट	ह	ल		व	ग	मा	ना		
	नु		रा	नी	गं	ज			
त	मा	सा	ई		ड	ल	ना		
न	न	द		षा	क		ते		

जिला खनिज प्रतिष्ठान की बैठक में 49 करोड 72 लाख के निर्माण कार्य अनुमोदित

सतना। जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) की सोमवार को सम्पन्न हुई बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में जनप्रतिनिधि सरस्मों से प्राप्त प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इस दौरान जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से वर्ष 2025-26 के प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर 49 करोड 72 लाख रूपये लागत के विभिन्न कार्यों का अनुमोदन किया गया। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी और सांसद श्री गणेश सिंह सहित विधायक गणों की उपस्थिति में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में सम्पन्न जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) की बैठक में वर्ष 2026-27 में जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर विधायक नागौद नागेन्द्र सिंह, रामपुर बघेलान विक्रम सिंह, चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार,



महापौर योगेश ताम्रकार, सहित कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, डीएफओ मयंक चांदीवाल, कमिश्नर नगर निगम डॉ. नागार्जुन बी. गौडा, सीईओ जिला पंचायत सपना त्रिपाठी, अपर कलेक्टर विकास सिंह, डीएमएफ शाखा प्रभारी आशीष द्विवेदी, जिला शिक्षा अधिकारी सलोनी शर्मा,

सीएमएचओ डॉ. मनोज शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. अमर सिंह, कार्यपालन यंत्री श्वेता चौरसिया एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जिला खनिज प्रतिष्ठान की बैठक में सीईओ जिला पंचायत सपना त्रिपाठी ने जिला खनिज प्रतिष्ठान 2016 में संशोधित नियम 14 मई 2026 राजपत्र में

दो दिवसीय आईपीएम कार्यक्रम में किसानों को कीट प्रबंधन की जानकारी

सतना। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत केन्द्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र मुरैना द्वारा 25 एवं 26 सितम्बर को सतना स्थित ए.के.एस. यूनिवर्सिटी के प्रशिक्षण हॉल में दो दिवसीय आई.पी.एम. (एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन) ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 60 से अधिक आत्मा योजनांतर्गत चयनित कृषि सखियों, कृषि विस्तार अधिकारियों, सहायक तकनीकी प्रबंधकों एवं प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में सहायक निदेशक सुनीत कुमार कटियार, सहायक संचालक कृषि डॉ. लवकुश सिंह, सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी अभिषेक सिंह बादल एवं अवधेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सहायक निदेशक सुनीत कुमार कटियार ने खरीफ फसलों में पाए जाने वाले मित्र कीटों की पहचान, उनके महत्व तथा



संरक्षण एवं संबंधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मित्र कीटों का संरक्षण कर फसलों में लगने वाले हानिकारक कीटों को नियंत्रित किया जा सकता है। धान की फसल में पत्ती मोड़क एवं बैक्टीरियल लीफ ब्लाइट जैसे कीट एवं रोगों की पहचान तथा उनके प्रभावी प्रबंधन की जानकारी भी दी गई। किसानों को खरपतवार नियंत्रण के साथ फसल उत्पादन की लागत कम कर अधिक लाभ प्राप्त करने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम के शुभारंभ में सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी अभिषेक सिंह बादल ने प्रतिभागियों एवं अधिकारियों का स्वागत करते हुए केन्द्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन

केंद्र के कार्यों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को शस्य, यांत्रिक, जैविक एवं रासायनिक उपायों के समन्वय से एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन की तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही रासायनिक कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से फसल, पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया गया। सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी अभिषेक सिंह बादल एवं अवधेश कुमार ने फॉल आर्मी वर्म की पहचान एवं प्रबंधन तथा कृषि पारिस्थितिकी तंत्र विश्लेषण की प्रक्रिया एवं उसके महत्व पर प्रशिक्षण दिया।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर जिला चिकित्सालय सतना में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 1 अक्टूबर को

सतना। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर 1 अक्टूबर 2026 गुरुवार को जिला चिकित्सालय सतना में वृद्धजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश के अंतर्गत आयोजित इस शिविर का विषय दीर्घायु का युगलु लम्बे जीवन के लिए व्यवस्थाओं का पुनर्विचार निर्धारित किया गया है। शिविर का आयोजन जिला चिकित्सालय सतना के नवीन ओपीडी हॉल (एनसीडी कक्ष) में किया जाएगा। शिविर में वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इसमें मुख्य रूप से एनसीडी

(गैर-संचारी रोग), मोतियाबिंद एवं अन्य नेत्र संबंधी समस्याओं के लिए आंखों की जांच, मानसिक स्वास्थ्य तथा बधिरता की स्क्रीनिंग सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

स्वास्थ्य शिविर में अस्थि रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ, सर्जिकल विशेषज्ञ, क्षय रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, मनोरोग विशेषज्ञ एवं फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ सहित संबंधित चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग ने जिले के अधिक से अधिक वृद्धजनों से शिविर में पहुंचकर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार का लाभ लेने की अपील की है।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

सतना। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुई। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है। उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

कोतवाली पुलिस द्वारा 2 किलो गांजा पकड़ा दो आरोपी गिरफ्तार एक फरार

पन्ना। पन्ना पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान तथा समस्त एसडीओपी पन्ना के मार्गदर्शन में पन्ना पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना निरीक्षक रोहित कुमार मिश्रा के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस को अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अवैध गांजा का परिवहन एवं बिक्री करने की फिराक में खड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तथा एक आरोपी फरार हो गया



है। दिनांक 26.09.2026 की रात्रि थाना कोतवाली पन्ना पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति काले रंग की हॉंडा शाइन मोटरसाइकिल क्रमांक एमएपी 35 एमसी 9945 पर एक बोरी में अवैध गांजा छिपाकर पट्टी तिराहा (लक्ष्मीपुर रोड) पर बिक्री करने की फिराक में खड़े हैं। सूचना की तत्पदीक एवं वैधानिक कार्यवाही हेतु पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई तथा

दोनों संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। नियमानुसार तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 2 किलो 120 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर अवैध गांजा एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को विधिवत जप्त किया गया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष

प्रस्तुत कर ज्यूडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया, जहां से माननीय न्यायालय द्वारा जेल भेजे जाने की कार्यवाही की गई। गिरफ्तार आरोपियों में दशरथ यादव पिता मंगल सिंह यादव, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम बिलखुरा, थाना कोतवाली पन्ना। प्रमोद यादव पिता पान सिंह यादव, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम बिलखुरा, थाना कोतवाली पन्ना। फरार आरोपी में शिवम यादव, निवासी ग्राम कल्याणपुर। बताया गया है उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा, डीन प्रज्ञा परोहा, प्रधान आरक्षक वृषकेतु रावत, आरक्षक संदीप तिवारी, राहुल सिंह, अमित द्विवेदी, प्रसंग मिश्रा, जीतेन्द्र पटेल, लक्ष्मीनारायण एवं चालक परमलाल का सराहनीय योगदान रहा।

पवित्र नगरी में मांस मछली मदिरा की लगातार चल रही दुकानें नहीं हो रही कार्यवाही

पन्ना। पन्ना मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जिले के विभिन्न धार्मिक नगरों को पवित्र नगर घोषित किया गया था जिसका उद्देश्य नगर में किसी प्रकार मांस, मदिरा , मछली की दुकानें नहीं चलेगी इसके लिए अलग से बाजार बनाया जाएगा लेकिन प्रशासन द्वारा ऐसा कुछ नहीं किया सरेआम अवैध रूप से हर मोहल्ला गली में अवैध शराब विक्रय हो रही है मांस और मछली की दुकान लग रही हैं विभिन्न स्थानों पर इस प्रकार की गतिविधियों संचालित हो रही है अनेकों बार समाचार पत्रों में मामले को प्रकाशित किया गया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो रही है स्थानीय लोगों ने कार्यवाही करने की मांग की है।

ग्रीन इंडिया मिशन के तहत कौशल प्रशिक्षण से बेटियों के सपनों को मिल रहे पंख

पन्ना। पन्ना अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस के अवसर पर दक्षिण पन्ना वनमंडल की बेटियों की सफलता की एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई है। हाल ही में कल्पना यादव, रोशनी यादव, रीशु यादव, सीता कुमारी और ज्योति चौधरी का भोपाल के अपोलो सेज अस्पताल में चयन हुआ है, जहां उन्हें लगभग 15,000 प्रतिमाह वेतन मिलेगा। इन पांच बेटियों की सफलता के साथ दक्षिण पन्ना वनमंडल की पहल से प्रतिष्ठित अस्पतालों में रोजगार पाने वाली बेटियों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। इनकी उपलब्धियां दर्शाती हैं कि पन्ना के असली हीरो केवल यहां की धरती में ही नहीं, बल्कि यहां की बेटियों में भी हैं। मध्यप्रदेश वन विभाग के दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा ग्रीन इंडिया मिशन के अंतर्गत संचालित जनरल इयूटी असिस्टेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे पहले चार बेटियों को शाल्बी अस्पताल, जबलपुर तथा आठ को मेंदांता अस्पताल, इंदौर में रोजगार



के अवसर प्राप्त हुए थे। इन सफल प्रशिक्षार्थियों में प्रतीक्षा दुबे, सरस्वती गडगरी, शिवानी साहू एवं प्रतीक्षा गर्ग सहित अन्य बेटियां शामिल हैं। हाल ही में खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने भी इन बेटियों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया था। शाहनगर वन परिक्षेत्र में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए वॉकहार्ट फाउंडेशन को प्रशिक्षण सहयोगी संस्था बनाया गया था। कार्यक्रम का संचालन वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री राजूल कटारे एवं प्रशिक्षण पर्यवेक्षक श्री आशीष पाण्डेय, वनपाल, की देखरेख में किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से

ग्रामीण एवं वनांचल की बेटियों को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। दक्षिण पन्ना वनमंडल की यह पहल वन संरक्षण के साथ स्थानीय समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक सशकीकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है। अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस पर इन 17 बेटियों की उपलब्धियां यह संदेश देती हैं कि उचित अवसर, कौशल प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन मिलने पर ग्रामीण अंचलों की बेटियां भी आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार, समाज और जिले का नाम रोशन कर सकती हैं।

बृजपुर एवम पहाड़ीखेरा चौकी पुलिस की सयुक्त कार्यवाही ने अवैध पशु तस्करी को किया गिरफ्तार

छोड़ी बड़ी भैसे,पड़वा सहित 51 नंग पशुओ को सुरक्षित पकड़ा।

पन्ना। पन्ना मामला पन्ना जिले के बृजपुर थाना क्षेत्र के पहाड़ीखेरा चौकी का है, जहाँ रात्रि करीब 3 बजे एक कंटेनर जबलपुर से उत्तरप्रदेश की ओर जा रहा था। जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एमपी 20 जेडएक्स 6974 है। पुलिस को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर जब पुलिस द्वारा कंटेनर को पहाड़ीखेरा में रात्रि के दौरान रोकने करने की कोशिश की गई , तब कंटेनर चालक द्वारा बैरिकेटिंग तोड़कर भागने का प्रयास किया



गया। लेकिन थाना एवम चौकी पुलिस के समूचे प्रबंध के चलते, कंटेनर चालक की भागने की कोशिश नाकामयाब रही। पुलिस द्वारा वाहन चालक सहित तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार कर छोड़ी बड़ी भैसे,पड़वा सहित 51 नंग पशुओ को सुरक्षित रूप से लुहरहाई की गौशाला में भेजा गया है।

अजय द्विवेदी पत्रकार एकता मंच के निर्विरोध अध्यक्ष बने

पन्ना। पन्ना निर्धारित तारीख के अनुसार पत्रकार एकता मंच के चुनाव संपन्न हुए जिसमें अजय द्विवेदी पत्रकार एकता मंच के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए ज्ञात हो पूर्व में शिव किशोर पांडे अध्यक्ष बने हुए थे। स्थानीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में निर्वाचन कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पत्रकार एकता मंच के सदस्य शामिल हुए थे। इस दौरान आम सहमति से द्विवेदी अध्यक्ष बन गए हैं श्री द्विवेदी का अध्यक्ष बन जाने पर साथी पत्रकारों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

स्वर्गीय यदुपति सिंघानिया की 73वीं जयंती पर जेके सीमेंट द्वारा विशाल निःशुल्क नेत्र जांच शिविर एवं स्वास्थ्य सेवा 29 सितंबर को आयोजित

पन्ना। पन्ना जेके सीमेंट के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक स्वर्गीय यदुपति सिंघानिया की 73वीं जयंती के अवसर पर जेके सीमेंट द्वारा सप्ताह भर चलने वाले सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। इसी क्रम में 27 सितंबर को पन्ना जिले में स्थित जेके सीमेंट परिसर में विशाल निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आसपास के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा अपनी आंखों की जांच कराई। जांच के उपरांत जरूरतमंद लोगों को संस्थान की



आर से निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गई है। जेके सीमेंट प्रबंधन के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को उनके नजदीक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा जरूरतमंद

एक मजबूत कदम' की दिशा में कार्य करने की है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य और खुशहाली को प्राथमिकता देते हुए स्वर्गीय यदुपति सिंघानिया के समाजसेवा एवं जनकल्याण से जुड़े विचारों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। सप्ताह भर चलने वाले सामाजिक सेवा कार्यक्रमों की श्रृंखला में 29 सितंबर को जेके सीमेंट परिसर, पन्ना जिले में मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। इसमें क्षेत्र के ग्रामीणों सहित आम नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श की व्यवस्था रहेगी।

लोگوं तक जनसेवा की सुविधाएं पहुंचाना है। जेके सीमेंट के यूनिट हेड एवं एचआर प्रमुख ने बताया कि संस्थान की सोच 'एक स्वस्थ समाज, सशक्त भविष्य की ओर

प्रबंधन के अनुसार शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांच की जाएगी तथा आवश्यकतानुसार चिकित्सा परामर्श एवं दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी। जेके सीमेंट की ओर से आयोजित यह सेवा अभियान स्वर्गीय यदुपति सिंघानिया की 73वीं जयंती के अवसर पर सप्ताह भर विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से जारी रहेगा। कार्यक्रम के जरिए क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में 26 सितम्बर से 5 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के तहत हनुमना क्षेत्र के विभिन्न आंगनवाड़ी केन्द्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।



बच्चों के उत्कृष्ट विचार विकसित भारत का सपना सच करेंगे : उप मुख्यमंत्री

रीवा। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले भर के स्कूलों में मेरे सपनों का भारत विषय पर भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिला स्तरीय प्रतियोगिता कृष्ण राज कपूर आडिटोरियम में आयोजित की गई। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के बनाए चित्र देखकर और भाषण प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट विचार सुनकर हम सबको विश्वास हो गया है कि बच्चे विकसित भारत का सपना सच करेंगे। भारत 2047 तक विश्वरूप बनेगा और लंबे समय तक विश्व का नेतृत्व करेगा, जिससे विश्व में शांति और समृद्धि होगी। वर्षों की पराधीनता में जकड़ा हमारा देश विकास की दौड़ में पीछे रह गया था। आजादी के बाद देश के विकास के प्रयास शुरू हुए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश के विकास को गति मिली। हमारा

उप मुख्यमंत्री ने विजेता विद्यार्थियों को किया सम्मानित



देश 2014 के पहले विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था था, आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। देश के साथ-साथ मध्यप्रदेश और रीवा में भी विकास के कई बड़े कार्य हुए हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि बच्चों को रीवा प्रदेश और देश के अच्छे कार्यों की पूरी जानकारी है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विकास का वास्तविक और पूरा लाभ बच्चों को ही मिलेगा। 2047 में आप सब बच्चे देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे

रहे होंगे। भारत के तेजी से विकास की राह में कदम आगे बढ़ता देखकर कई देश के दुश्मन इसमें बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए युवाओं को भ्रमित किया जा रहा है। बच्चे अपने मन और मस्तिष्क को खुला रखकर देश के विकास की चिंता करने वालों का साथ दें और देश के दुश्मनों के जाल में न फंसे। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस प्रतियोगिता ने बच्चों की ज्ञेन स्टाफिंग की है। इसके लिए मैं शिक्षा विभाग को

बधाई देता हूँ। उप मुख्यमंत्री ने भाषण प्रतियोगिता के बच्चों को पुष्पगुच्छ और स्नेह देकर सम्मानित किया।

समारोह में विन्ध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह ने कहा कि आज विद्यार्थियों की प्रतिभा देखकर मैं अभिभूत हूँ। आज के विजेता विद्यार्थी प्रदेश स्तर पर भी रीवा का नाम रोशन करेंगे। प्रतियोगिता में बड़े स्कूलों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। जिला भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि बच्चों ने अपने भाषण में मेरे सपनों का भारत की सही तस्वीर प्रस्तुत की है। बच्चों के भाषण सुनकर मैं अभिभूत हूँ। आप सबको देश-प्रदेश और रीवा के विकास की पूरी जानकारी है। समारोह में भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों वैशाली शुक्ला, तृप्ति सिंह, सत्यप्रताप सिंह तथा कृतिका यादव ने मेरे सपनों का भारत विषय पर ओजपूर्ण भाषण

दिया।

समारोह में उप मुख्यमंत्री ने विजेताओं को सम्मानित किया। भाषण प्रतियोगिता में वैशाली शुक्ला तथा ऋषिका सोनी को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, शगुन सिंह को द्वितीय स्थान तथा प्रवीणा पटेल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसमें देश शुक्ला को चौथा तथा गौरी तिवारी को पांचवा स्थान प्राप्त हुआ। चित्रकला प्रतियोगिता में कुमारी आद्या सोनी को प्रथम, तृप्ति द्विवेदी को दूसरा, नेहा ठकुरिया को तीसरा तथा आयुषी गुप्ता को चौथा स्थान प्राप्त हुआ। समारोह में उप मुख्यमंत्री ने बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों का अवलोकन किया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्षी श्रीमती नीता कोल, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, पार्षदगण, प्रभारी अपर कलेक्टर सुधीर बेक, एसडीएम हुजुर जितेन्द्र तिवारी, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी राजेश मिश्रा, शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी, शिक्षक तथा तीन सौ से अधिक प्रतिभागी बच्चे उपस्थित रहे।

दिव्यांग विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति आवेदन 31 अक्टूबर तक

रीवा। सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से प्री मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक तथा अन्य छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ दिव्यांग विद्यार्थियों को दिया जा रहा है। इस संबंध में संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ने बताया कि राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर स्कालरशिप डॉट जीओभी डॉट इन पर दिव्यांग विद्यार्थियों के ऑनलाइन आवेदन दर्ज किए जा रहे हैं। प्री मैट्रिक विद्यार्थियों के आवेदन 30 सितम्बर तक दर्ज होंगे। संबंधित संस्था द्वारा सत्यापन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तय की गई है। पोस्ट मैट्रिक विद्यार्थियों के लिए आवेदन 31 अक्टूबर तक दर्ज होंगे तथा सत्यापन 15 नवम्बर तक होगा। टॉप क्लास छात्रवृत्ति से लाभान्वित दिव्यांग विद्यार्थियों के आवेदन 31 अक्टूबर तक दर्ज होंगे तथा सत्यापन 15 नवम्बर तक किया जाएगा। मेडिकल कालेज की डीन, विश्वविद्यालय के कुलसचिव, सभी प्राचार्य तथा छात्रवृत्ति के नोडल अधिकारी निर्धारित समय सीमा में पात्र दिव्यांग विद्यार्थियों के आवेदन ऑनलाइन दर्ज करवाकर उनका सत्यापन कराएं, जिससे विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिया जा सके।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रीवा की 75वीं साधारण आमसभा संपन्न

सहकारी बैंक ने वित्तीय वर्ष के लिए 19.50 करोड़ के लाभ का बजट किया पारित

रीवा — जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की 75वीं वार्षिक साधारण सभा की बैठक कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित की गई। बैठक को वचुंअल माध्यम से संबोधित करते हुए सहकारी बैंक के प्रशासक तथा कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुरूप सहकारी बैंक सदस्य किसानों की संख्या में वृद्धि करें। जिले के अधिकतम किसानों को सहकारी समितियों को सदस्य बनाकर उन्हें विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करें। कृषि, पशुपालन, मछलीपालन तथा कृषि पर आधारित उद्योगों में बैंक अधिक निवेश करे। लंबित ऋणों की वसूली पर भी ध्यान दें।

शासन ने किसानों को केसीसी ऋण को साल में एक बार भुगतान करने की सुविधा दी है। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। सहकारी समितियां खाद-बीज और खाद्यान्न वितरण के साथ-साथ अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को भी संचालित करें। बैठक में सहकारी बैंक के महाप्रबंधक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने वर्ष 2026-27 के आय-व्यय तथा वर्ष 2027-28 के लिए प्रस्तावित बजट को प्रस्तुत किया। वित्तीय वर्ष 2027-28 के लिए 19 करोड़ 50 लाख रुपए के लाभ के बजट प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूर किया गया। श्री पाण्डेय ने लंबित ऋणों की वसूली, अमानत संग्रहण तथा चालू एवं कालातीत ऋणों की वसूली के संबंध में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। आमसभा में उपायुक्त सहकारिता वीके द्विवेदी, बैंक से जुड़ी समितियों के प्रशासक, शाखा प्रबंधक तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वार्ड क्रमांक 44 में आरसीसी नाले के कार्य का भूमिपूजन



रीवा। नगर पालिक निगम रीवा के जोन क्रमांक 04 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 44 में गड्डी मुख्य मार्ग से इंद्रपाल सोनी जी के घर से होते हुए लक्ष्मण बाग मुक्ति धाम में पुराने नाले कुल लागत 41 लाख से आर सी सी नाले के कार्य का भूमिपूजन महापौर श्री अजय मिश्रा 'बाबा' की

उपस्थिति में किया गया। कार्य का भूमि पूजन वरिष्ठ नागरिक शेषमणि शुक्ला ने नारियल फोड़कर किया। महापौर श्री अजय मिश्रा 'बाबा' ने कहा कि इस नाले का निर्माण कार्य पूर्ण होने से क्षेत्र में जल भराव से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि नगर पालिक निगम रीवा नगर को

विकसित करने तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के दौरान उन्होंने वार्ड का भ्रमण कर बरसात के कारण रोड में हुए गड्ढों को मोटरबल करवाने एवं सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस दौरान एम आई सी सदस्य श्री धनेन्द्र सिंह, रवि तिवारी, वार्ड पार्षद श्रीमती अर्चना अमृतलाल मिश्रा कार्यपालन यंत्री श्री सिद्धार्थ सिंह सहायक यंत्री श्री पीएन शुक्ला, जनप्रतिनिधि श्री अमृतलाल मिश्रा, प्रमोद कुमार पाण्डेय, भैयलाल विश्वकर्मा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारियों के साथ नागरिकगण उपस्थित रहे।

मतदान के लिए तीन पंचायतों में रहेगा अवकाश

रीवा। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार जिले की तीन ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए 29 सितम्बर को सुबह 7 बजे दोपहर 3 बजे तक निर्धारित मतदान केन्द्रों में मतदान कराया जाएगा। इस संबंध में उप? जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर बेक ने बताया कि सरपंच पद के लिए जनपद पंचायत रायपुर कुर्चुलियान की ग्राम पंचायत लोहदवार, जनपद पंचायत गंगेव की ग्राम पंचायत टिकुरी नम्बर 37 तथा जनपद पंचायत सिरमौर की ग्राम पंचायत हिनौता में सरपंच पद के लिए मतदान होगा।

केन्द्रीय जेल में मेडिकल एवं पैरामेडिकल स्टॉफ के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा जेल मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार लेफ़ा सोसायटी के तत्वावधान में रीवा एवं सतना सर्किल के अंतर्गत आने वाली जेलों में कार्यरत चिकित्साधिकारियों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ के लिए केन्द्रीय जेल रीवा में एच.आई.वी./एड्स, एसटीआई, क्षय रोग, वायरल हेपेटाइटिस एवं अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम तथा उपचार संबंधी एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 20 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। केन्द्रीय जेल के अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान चिकित्साधिकारियों एवं



पैरामेडिकल स्टॉफ को एच.आई.वी./एड्स, यौन संचारित संक्रमण, क्षय रोग एवं वायरल हेपेटाइटिस सहित विभिन्न संक्रामक रोगों की पहचान, रोकथाम, उपचार तथा जेलों में इनके संक्रमण को नियंत्रित करने के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण संस्थान लेफ़ा सोसायटी भोपाल के प्रदेश

कोऑर्डिनेटर श्री मोनू मालवीय एवं श्री नरेन्द्र सिंह द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इस अवसर पर डॉ. अनुराग शुक्ला, नोडल अधिकारी टी.बी./एच.आई.बी. रीवा, डॉ. आनंद सिंह, नोडल अधिकारी एन.व्ही.एन.सी.पी. जिला रीवा तथा श्रीमती रिचा शर्मा, काउंसलर मेडिकल

कॉलेज रीवा की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन में काउंसलर श्री मो. अजहर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जेल अधीक्षक सहित डॉ. पीयूष निगम मेडिकल ऑफिसर, संजोव कुमार गेंदले उप जेल अधीक्षक, श्याम सिंह कुशवाह उप जेल अधीक्षक, विवेक मोर्य फार्मासिस्ट सहित तकनीकी स्टॉफ एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जेलों में निरुद्ध बंदि्यों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल तथा संक्रामक रोगों की रोकथाम एवं उपचार व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

वन स्टॉप सेंटर रीवा की पहल से माँ को मिला अपना परिवार

रीवा। जिसका कोई सहारा नहीं होता, उसका सहारा ईश्वर होता है, यह कथन उस समय सार्थक प्रतीत हुआ, जब एक 60 वर्षीय महिला अपने परिवार से बिछड़कर भटकती हुई अवस्था में रीवा के गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत मिली। महिला को थाना गोविंदगढ़ पुलिस द्वारा सुरक्षा एवं अस्थायी आश्रय प्रदान करने के उद्देश्य से 18 सितंबर को वन स्टॉप सेंटर, रीवा लाया गया। सेंटर में महिला की स्थिति को देखते हुए वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रुति मिश्रा एवं सेंटर एडमिनिस्ट्रेटर शिवानी



द्विवेदी द्वारा महिला को सुरक्षित एवं सहज वातावरण उपलब्ध कराया गया। वन स्टॉप सेंटर की टीम द्वारा महिला की निरंतर देखभाल एवं

संवेदनशीलता के साथ काउंसलिंग की गई। प्रारंभ में महिला अपने नाम, पता एवं परिवार के संबंध में स्पष्ट जानकारी देने की स्थिति में नहीं थीं। टीम द्वारा धैर्यपूर्वक बातचीत एवं लगातार काउंसलिंग के माध्यम से महिला से उनके नाम, निवास स्थान तथा परिवार के सदस्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया गया। अंततः महिला अपना नाम शकुंतला गुप्ता बताई और समस्त थाने में सम्पर्क कर महिला की जानकारी प्रेषित की गई। लगातार किए गए प्रयासों के फलस्वरूप महिला से

अपना परिवार

उनके परिवार एवं निवास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। वन स्टॉप सेंटर की टीम द्वारा प्राप्त जानकारी के आधार पर महिला के परिजनों से संपर्क स्थापित करने के प्रयास किए गए। कई प्रयासों के बाद महिला की बेटी, बेटे एवं परिवार के अन्य सदस्य वन स्टॉप सेंटर, रीवा पहुंचे। परिजनों द्वारा महिला की पहचान किए जाने के पश्चात आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर महिला को उनके परिवारजनों के साथ 22 सितंबर सुरक्षित रूप से घर भेजा गया।

सहकारिता एवं उद्योग समिति की बैठक 30 सितम्बर को

रीवा। जिला पंचायत की सहकारिता एवं उद्योग स्थायी समिति की बैठक 30 सितम्बर को दोपहर 3 बजे से जिला पंचायत सभागार में आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता सभापति श्रीमती संगीता सोनल शर्मा करेंगी। बैठक में नवीन उद्योगों की स्थापना के लिए भूमि के चयन, खादी ग्रामोद्योग, हथकरघा तथा ग्रामोद्योग विभाग की योजनाओं की प्रगति, पिछड़वर्ग, मछलीपालन विभाग तथा आदिम जाति कल्याण विभाग की स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

मूक-बधिर विद्यालय में नव निर्मित हॉल का लोकार्पण



रीवा। नगर पालिक निगम रीवा के वार्ड क्रमांक 44 स्थित मूक-बधिर विद्यालय में नव निर्मित हॉल का लोकार्पण सोमवार को महापौर श्री अजय मिश्रा 'बाबा' की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्रा ने फीता काटकर नवीन हॉल का शुभारंभ किया। लोकार्पण समारोह में एमआईसी सदस्य श्री धनेन्द्र सिंह एवं पार्षद श्री रवि तिवारी, पार्षद श्रीमती अर्चना अमृतलाल मिश्रा, कार्यपालन

यंत्री श्री सिद्धार्थ सिंह, सहायक यंत्री श्री पीएन शुक्ला, प्राचार्य श्री उमा प्रसाद मिश्रा, अधीक्षक श्रीमती शिखा मिश्रा, जनप्रतिनिधि श्री अमृतलाल मिश्रा, श्री शंकरलाल तिवारी, श्री अमित चतुर्वेदी, श्री राकेश मिश्रा, श्री आरएस विश्वकर्मा सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालय का स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर श्री अजय मिश्रा 'बाबा' ने कहा कि

मूक-बधिर विद्यालय समाज के लिए प्रेरणा के केंद्र हैं और नगर निगम इनके विकास एवं आवश्यक सुविधाओं के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संभाग का यह अनुत्त संस्थान विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिस पर पूरे शहर को गर्व है।

नगर निगम इन विद्यालयों के रखरखाव, आधारभूत सुविधाओं के विकास तथा अन्य आवश्यक कार्यों में हर संभव सहयोग करता रहेगा। इसके साथ ही महापौर ने नगर निगम के अधिकारियों को विद्यालयों के भवनों की मरम्मत एवं अन्य जीर्णोद्धार कार्यों का विस्तृत प्राकलन तैयार कर शीघ्र निविदा प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

दिव्यांग विद्यार्थियों की जाँच के लिए मऊगंज में शिविर 30 को

मऊगंज। दिव्यांग विद्यार्थियों की मेडिकल जाँच तथा उन्हें सहायता के लिए उपकरणों के चिन्हांकन के लिए शिविर लगाए जा रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने बताया कि शिक्षा विभाग, सामाजिक न्याय विभाग तथा भारत सरकार की भारतीय कुत्रिम अंग निर्माण निगम एलिमको द्वारा इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। विकासखण्ड मुख्यालय में शिविर लगाकर दिव्यांग विद्यार्थियों की विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जाँच की जा रही है। मऊगंज में 30 सितम्बर को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिविर लगेगा।

जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक संपन्न

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में शैक्षणिक संस्थानों, कोचिंग सेंटरों तथा छात्रवासों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण एवं सुरक्षा प्रबंधों की जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई।

कलेक्टर ने जिले में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों को अनिवार्य रूप से अपना पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों की मानसिक सेहत भी प्राथमिकता उच्च एवं स्कूली शिक्षण संस्थानों में अध्यनत विद्यार्थियों में मानसिक तनाव, चिंताओं को दूर करने और आत्महत्या की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए व्यापक व तत्काल उपाय किए जाएंगे, उक्त समिति का



अधिकार क्षेत्र जिले में स्थित सभी शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों (स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, प्रशिक्षण केंद्र, कोचिंग संस्थान तथा छात्रवास) तक विस्तृत रहेगा। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ उनके मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना भी है। प्रतियुर्था के वर्तमान दौर में विद्यार्थियों पर

पड़ने वाले मानसिक दबाव को समझते हुए विद्यालय स्तर पर संवेदनशील स्वाद एवं समय पर परामर्श की व्यवस्था आवश्यक है। बैठक में समिति सदस्यों ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए विद्यालयों में योग, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा सकारात्मक काउंसलिंग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही शिक्षकों को

विद्यार्थियों की मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान करने पर चर्चा की गई, ताकि विद्यार्थियों को समय पर आवश्यक सहयोग और परामर्श उपलब्ध कराया जा सके। जिले में कोचिंग संस्थानों के अनिवार्य रजिस्ट्रेशन तथा जिला स्तरीय टास्क फोर्स के गठन व कुत कार्यावही की जानकारी शासन के निर्धारित पोर्टल/ईमेल पर भिजवाने की समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर पीके पांडेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शशिकांत सरयाम, समिति के सदस्य हरिशंकर पांडे, विक्रांत द्विवेदी सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।